काशी हिन्दू विश्वविद्यालय BANARAS HINDU UNIVERSITY

राजभाषा प्रकोष्ठ

अपील

हिंदी भारतीय सांस्कृतिक विरासत का एक अभिन्न पहलू है। पूरे भारत के लिए संपर्क भाषा के रूप में हिंदी सन् 1857 के स्वतंत्रता संग्राम से लेकर आज तक लोगों को एकता के सूत्र में पिरोने का कार्य कर रही है। हिंदी की इसी समावेशी प्रवृत्ति के कारण हमारे संविधान निर्माताओं ने 14 सितंबर, 1949 को इसे भारत संघ की राजभाषा के रूप में अपनाया और तब से यह केन्द्रीय सरकार के कार्यालयीन काम-काज की भाषा के रूप में व्यवहृत हो रही है। इससे इतर, हिंदी अभिव्यक्ति के माध्यम के रूप इतनी समृद्ध और सशक्त बन गई है कि विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में भी इसका भरपूर उपयोग किया जा रहा है।

भाषायी प्रौद्योगिकी — खासकर यूनिकोड, हिंदी स्पीच से हिंदी पाठ अर्थात् बोलकर टाइप करने और मशीन अनुवाद के विकास ने तो इसे विश्वपटल पर स्थापित कर दिया है। परिणामस्वरूप हिंदी के पठन-पाठन और शोध का दायरा राष्ट्रमंडल के देशों तक ही सीमित न होकर विश्वव्यापी हो गया है। प्रौद्योगिकी विस्तार ने आमजन के बीच हिंदी के उपयोग को आशातीत बढ़ावा दिया है। वर्तमान में सोशल मीडिया पर भी हिंदी का बोलबाला है। भारत सरकार की संस्था सी-डैक के साथ-साथ गूगल और माइक्रोसॉफ्ट जैसी बहुराष्ट्रीय कम्पनियां भी हिंदी के तकनीकी पक्ष को और अधिक विकसित एवं मजूबत बनाने में जुटी हुई हैं। निःसंदेह यह हिंदी और हिन्दुस्तान की सामर्थ्य का ही प्रतीक है।

उल्लेखनीय है कि काशी हिन्दू विश्वविद्यालय हिंदी को संविधान द्वारा राजभाषा का दर्जा दिए जाने से काफी पहले से ही शिक्षा के माध्यम के रूप में हिंदी के उपयोग का प्रबल पक्षधर रहा है। हमारे विश्वविद्यालय के काम-काज में हिंदी के उपयोग में उत्तरोत्तर वृद्धि हो रही है और हम सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के निकट पहुँच गए हैं। हमारा निरन्तर प्रयास है कि हम लोग राजभाषा हिंदी के संबंध में भारत सरकार द्वारा निर्दिष्ट लक्ष्यों को यथाशीघ्र प्राप्त कर लें। इसके लिए सरकार द्वारा चलायी जा रही प्रोत्साहन योजनाओं में सक्रिय भागीदारी करें और वार्षिक कार्यक्रम में यथानिर्दिष्ट लक्ष्यों के अनुरूप हिंदी के उपयोग को गति प्रदान करें।

हिंदी-दिवस के इस शुभ अवसर पर आप सभी से मेरी अपील है कि संविधान की गरिमा के अनुरूप व्यक्तिगत और कार्यालयी कार्यों में स्वयं हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करें और अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित एवं प्रोत्साहित करें।

विश्वविद्यालय के समस्त सदस्यों को **हिंदी दिवस** की बधाई और हार्दिक शुभकामनाएं।

जय हिन्द !

वाराणसी, 14.09.2019

(राकेश भटनागर)
कुलपति